GCG1-4-HI

यीशु सारे विश्वासियों को चेले बनाने के लिए बुलाता है - प्रोग्राम 4

अनाऊंसर: आप क्या सोचते हैं कि सबसे मुख्य बात क्या है?

नंबर एक बात जो यीशु चाहता है विश्वासी करे अमेरिका में, कैनडा में, मध्य अमेरिका में, दक्षिण अमेरिका में, यूरोप में, मध्य-पूर्व में, अफ्रीका, आशिया में, फिलिपीन्स और ऑस्ट्रेलिया में/

यीशु ने कहा जाओ और चेले बनाओ, चेला क्या है? आप चेला कैसे बनाते हैं?

आज मेरे मेहमान हैं जो हमने बताएँगे, वो हैं रॉबी गैलेटी, ऐसे मनुष्य जो 3200 लोगों के चर्च के पास्टर हैं/ और सुबह की चार आराधना होती हैं, इन्होने व्यक्तिगत रूप में चेले बनाए हैं, हर साल 7 या 8 लोगों को/ और वो भी आगे बढकर दूसरों को चेले बनाते हैं/

अब यदि आपने किसी को चेला नही बनाया है, क्या ये सच में संभव है कि आप इसे कर सकते हैं? आपको कौनसी व्यवहारिक बातें जानना जरूरी हैं?

आज आप इसे देखेगे, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, हम चर्चा कर रहे हैं, ये अद्‌भुत सत्य, संसार कई जनसंख्या याने जो लोग मसीह को जानते हैं, गिनती कहती है कि हमारे इस संसार में लगभग 7 बिलियन लोग हैं, और उन में से साड़े चार बिलियन लोग यीशु मसीह को नही जानते हैं, यीशु मसीह ने आज हम विश्वासीयो को ये वचन में दिया है, ये योजना, इन सब लोगों तक पहुंचने के बारे में, इसे महान आज्ञा कहते हैं, कि हमें जाकर सारे देशों में चेले बनाना है, इसका क्या अर्थ है, हम ऐसे कैसे करे, प्रतिदिन के जीवन में, हम व्यवहारिक दृष्टिकोण के बारे में कह रहे हैं, और जो प्रतिज्ञाएँ इसके साथ जुडी है, इस महान आज्ञा के साथ और मैने यहाँ बुलाया है हमारे देश के मुख्य बाइबल शिक्षक रॉबी गैलेटी, मैंने इनसे कहा है कि वचन से हमें ये बताए/

रॉबी आज हम इस पर चर्चा करना चाहेगे, यीशु ने कहा, जाकर उन्हें वो सारी बातें जो मैंने तुम्हे आज्ञा दी है वो सिखाओ, ये बहुत बड़ा काम सुनाई देता है, इसे कैसे करे/

रॉबी गैलेटी: जी, ये महान सवाल है संसार में लोग ज्ञान प्राप्त करते हैं, अपने मन को बुद्धिमत्ता की जानकारी से भरते हैं, लेकिन वचन से हम बहुत ही अलग देखते हैं, वचन से हम केवल जानने के लिए ही नही सीखते हैं, लेकिन हम करने के लिए सीखते हैं, और वचन में यीशु हमेशा कहता है, हमें इसे जानना है और करना है, हमें सुनना है और ध्यान देना है, हमें सीखना है और जीना है, अब सवाल ये है कि यीशु क्या चाहता है कि हम क्या सीखे, खैर वो महान आज्ञा में कहता है, सबकुछ जाने, यहाँ लक्ष्य के बारे में सोचिए/ जो मैं तुम्हें आज्ञा दी है उन सबको जाने/

मैं इस प्रोग्राम में यही करना चाहता हूँ, इसे तीन भागों में बाटना चाहता हूँ, पहले भाग में हम देखेगे, पौलुस जो शिक्षक है, दूसरा तीमुथियुस जो विद्यार्थी है, और तीसरी बात तो हमारी ट्रेनिंग है, परमेश्वर ने हमें क्या करने के लिए बुलाया है/ और उसने जो हमें आज्ञा दी है उसे हम कैसे कर सकते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अच्छा सुनाई देता है

रॉबी गैलेटी: सबसे पहले प्रेरित पौलुस तो शिक्षक का सबसे बड़ा उदाहरण है, और पौलुस अद्भुत रूप में बदला था, आप पौलुस की गवाही जानते हैं, प्रेरित अध्याय 9, वो विश्वासियों को सताता है, वो तो स्तिफनुस की मृत्यु के समय वहाँ था, ये कहता है/ और फिर प्रेरित अध्याय 9 में वो दमिश्क के मार्ग पर था, वो ज्योति देखता है और आवाज सुनता है,प्रभु यीशु मसीह कहता है, पौलुस, पौलुस तू मुझे क्यों सताता है/ और फिर पौलुस अँधा हो जाता है, हनन्याह उससे बाद में मिलता है प्रेरित अध्याय 9 में, उसके लिए प्रार्थना करता है और उसकी आँखों से छिलके गिरते हैं, पौलुस अब देख सकता है, और फिर ये कथा है कि वो तारशिश जाता है और प्रभु के बारे में थोडा बताता है/

लेकिन सवाल तो ये है, पौलुस ने अद्भुत रूप में उद्धार पाने के बाद क्या किया/ शायद आप सोचे कि वो सुसमाचार बताने लगा, या प्रचार करने गया/ लेकिन सुनिए वो गलातियों अध्याय 1 में क्या कहता है,गलातीयों की किताब में हम शुरू से ही देखते हैं कि पौलुस गवाही देता है, अपने ही जीवन से, सुनिए वचन 16, तो मैंने तुरंत किसी से सलाह नही ली/ वो कहता है, और न यरूशलेम को उन के पास गया जो मुझ से पहले प्रेरित थे, पर तुरंत अरब को चला गया, और फिर वहाँ से दमिश्क को लौट आया/ फिर तीन बरस के बाद, मैं कैफा से भेंट करने के लिए यरूशलेम को गया, और उसके पास पन्द्रह दिन तक रहा/

और सामान्य सवाल तो ये है, पौलुस ने तीन साल तक क्या किया/ वो अरब में चला गया, मैं विश्वास करता हूँ, बहुत से कमेंट्रेटर विश्वास करते हैं, प्रभु यीशु मसीह ने उसे चेला बनाया/ कि उसने प्रभु के साथ समय बिताया, कि यीशु उसका मेंटर था/ उसे विश्वास का सिद्धांत सिखा रहा था, उसने जो भी आज्ञा दी थी, वो सब उसे सिखा रहा था/ बाइबल नॉलेज कॉमेनट्री, मैं सोचता हूँ कि ये सही है, कॉमेनट्री के शब्दों को सुनिए, इसमें संदेह है कि वो वहां पर प्रचार करने गया/ लेकिन मनुष्यों से दूर होकर प्रभु के साथ एकांत में व्यक्तिगत अध्यन के लिए गया/ मनन करने और आगे प्रकाशन पाने के लिए गया/ व्यवस्था का ये जिज्ञासा से भरा विद्यार्थी, अब अपने बदलाव के अर्थ के बारे में सोच रहा था, और पुराने नियम में मसीह को देखने लगा/ इन दिनों में अरेबिया में जो हो रहा है, ये दिलचस्प है/ ये वो मसीही थियोलोजी है जो पौलुस ने रोमियों के नाम अपनी पत्री में बताया है, अब समानता को समझी जॉन, प्रभु यीशु मसीह ने 12 लोगों को अपने पीछे चलने के लिए बुलाया/ और यीशु ने उन्हें चेला बनाने के लिए 3 साल बिताए/ प्रेरित पौलुस खुद इस बारे में कहता है, मैं जो अधूरे दिनों का जन्मा हूँ/ लेकिन जब परमेश्वर ने उसे बुलाया, उसे अरब में भेजा और वहां यीशु उसका मेंटर था, तीन साल तक जैसे उसने चेलों को शिक्षा दी थी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और यहाँ सवाल आता है कि यीशु ने पौलुस से क्या कहा, जो उसने हमें दिया और उन लोगों को भी दिया/

रॉबी गैलेटी: मैं सोचता हूँ कि उसने पौलुस से कहा, ककी जाकर इसे जीए जैसे आप जानते हैं, और इसे जानना तो एक बात है लेकिन विश्वासी के नाते जरूरी है कि इन बातों को अपने जीवन में रखे/ महान आज्ञा में जिस शब्द पर मैं गौर करना चाहता हूँ वो है माने, यीशु ने कहा, मैंने तुम्हें जो आज्ञा दी है उन्हें मानना सिखाओ/

ये शब्द मानना तो दिलचस्प शब्द है/ इसका अर्थ बचाए रखना है, इसका अर्थ रखवाली करना है, साथ ही इसका अर्थ है रखा करना रखवाली करना/ अब बाइबल में ये तो संसार से अलग है, यदि मैं किसी की रक्षा कर रहा हूँ, तो सामान्य रूप में सोचते हैं कि हम वहाँ खड़े रहकर लोगों को दूर करते हैं/ लेकिन बाइबल अलग है, जब कोई किसी चीज़ को बचाता है या उसकी रक्षा करता है, हम उस जानकारी को बचाकर रखते हैं कि किसी को देने के द्वारा/

और यही पौलुस प्रभु यीशु मसीह से सिख रहा था, अब हम इसे पुरे वचन में देखते है/ पौलुस वचन में हमें सिखने और उसे करने का फर्क हमें बताता है/ या सीखना और वैसे जीना, सुनिए वो क्या कहता है फिलिप्पियों अध्याय 3 वचन 15 से 18 में, सो हम जितने सिद्ध हैं, यही विचार रखे/ और यदि किसी बात में तुम्हारा और ही विचार हो तो परमेश्वर उसे भी तुम पर प्रकट कर देगा/ सो जहाँ तक हम पहुंचे उसी के अनुसार चलो, गौर से सुनिए/ हे भाइयों, तुम सब मिलकर मेरी सी चाल चलो, और उन्हें पहचान रखो, जो इस रीती पर चलता है,जिसका उदाहरण तुम हम में पाते हो/ क्योंकि बहुतेरे ऐसी चाल चलते हैं जिनकी चर्चा मैंने तुम से बार बार किया है, और अब भी रो रोकर कहता हूँ, कि वो अपनी चाल-चलन से मसीह के क्रूस के बैरी है/वो यहाँ कुछ दिलचस्प कहता है, वो कहता है कि सत्य को थामे रहे, इसका अर्थ है कि हमें बने रहना और सुनना है/ केवल सीखकर जानना नही है/ लेकिन हमें वैसे जीना है जो हम मसीह के बारे में जानते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और उसने चलने के लिए भी कहा, यहाँ चलने का अर्थ क्या है?

रॉबी गैलेटी: जी, चलना अद्भुत शब्द है,इसका उपयोग पुरे वचन में हुआ है/ सच में जब यीशु कहता है कि आओ और मेरे पीछे हो लो, तो वो कह रहा है कि आकर मेरे पीछे चलो/ रब्बी के पीछे चलने का अर्थ यही नही कि जो रब्बी जानते हैं वो आप जानते हैं/ लेकिन हम वही करना चाहते हैं जो रब्बी करते थे/ अब इस तरह से चलना तो क्रियाशील विश्वास है/ देखीए बहुत से लोग हैं जो कहते हैं मैं परमेश्वर के बारे में जानता हूँ/ या मैं परमेश्वर के विषय जानता हूँ/ मैं परमेश्वर के बारे में विश्वास करता हूँ या यीशु के बारे में, लेकिन शैतान भी ये कहता है, हम वचन से ये जानते हैं/ हम जानते हैं कि शैतान विश्वास का सिद्धांत हमारे चर्च के सदस्यों से अच्छी तरह जानता है/ सच में वो परमेश्वर के बारे में सबकुछ जानता है/ वो तो एक समय स्वर्ग में था/ लेकिन समस्या ये है कि उसके पास उद्धार का विश्वास नही है/

याकूब हमे ये बताता है याकूब अध्याय 2 वचन 18 में, वरन कोई कह सकता है कि तुझे विश्वास है और मैं कर्म करता हूँ, तू अपना विश्वास मुझे कर्म बिना तो दिखा और मैं अपना विश्वास अपने कर्मों के द्वारा तुझे दिखाऊंगा/ तुझे विश्वास है कि एक ही परमेश्वर है, तू अच्छा करता है, दुष्ट आत्मा भी विश्वास रखते और थरथराते हैं/ देखीए यही तो फर्क है, उद्धार के विश्वास में और दुष्ट आत्माओ के विश्वास में, उद्धार का विश्वास हमेशा क्रिया करता है, जॉन हम उद्धार पाने के लिए काम नही करते हैं/ हम विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से उद्धार पाते हैं/ ये हमारी ओर से नही इफिसियों 2 के अनुसार/ ये परमेश्वर का वरदान है कि कोई घमण्ड न कर सके/ याने हम उद्धार पाने के लिए काम नही कर सकते हैं/ लेकिन एक बार उद्धार पाने के बाद, हम अपने उद्धार के द्वारा काम करते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: परिणाम स्वरूप, जी/

रॉबी गैलेटी: अनुग्रह को जानना एक बात है और उसका अनुभव करना दूसरी बात है, दया को जानना एक बात है और दया दिखाना दूसरी बात है, प्रेम को जानना एक बात है, और जिससे प्रेम नही कर सकते उससे प्रेम करना अलग है/ बाइबल में पौलुस पुरे सुसमाचार द्वारा यही बताता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: साथ ही यीशु ने कहा होगा सुनो पौलुस, तुम्हें इसे दुसरे को भी बताना होगा, क्योंकि उसने ये ज्ञान तीमुथियुस को देना शुरू किया था, और उसने दिखाया था कि और किसी के चेले होने का मतलब क्या है, अब हमें तीमुथियुस के बारे में बताइए/

रॉबी गैलेटी: जी, आप सीधे मुद्दे पर आए हैं,पौलुस इस जवान तीमुथियुस को पाता है शायद वो 16 साल का था,तीमुथियुस की माँ थी जिसने उसके जीवन पर प्रभाव डाला था, और उसकी नानी माँ थी, उसके पिता ग्रीक थे, और हम ये निष्कर्ष निकालते हैं कि तीमुथियुस के पिता का प्रभाव उस पर नही था/ और हम ये पातेहैं दूसरा तीमुथियुस अध्याय 1, वचन 5 से/ मुझे तेरे उस निष्कपट विश्वास की सुधि आती है, पौलुस कहता है, जो पहले तेरी नानी लोइस, और तेरी माता यूनीके में थी, और मुझे निश्चय है कि तुम में भी है/ तो पौलुस कहता है सुनो, मैं जानता हूँ कि तुम इसकी कारण इस तरह के व्यक्ति हो, ये केवल पिता से नही, ये तुम्हारी माता और नानी का निवेश है/

ये केवल माताओं और नानीयों को प्रोत्साहित करने के लिए है/ जानते हैं बहुतसी अकेली माताएं उस संसार में बच्चों की परवरिश करती हैं, वो इस संसार में बच्चों की परवरिश करते हैं, बस उत्साहित करने के लिए, यदि आप अकेली परवरिश करती हैं, तो शायद ये आपके विश्वास के कारण, और आपकी इच्छा कि अपने बच्चे को चर्च में लेकर आए, तो शायद एक दिन आप तीमुथियुस को उत्पन्न करे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी मैं सोचता हूँ ये अद्भुत है, पौलुस तीमुथियुस से कहता है, जो भरोसे के साथ तुझे दिया गया है उसकी रक्षा करना/ इसका क्या अर्थ है/

रॉबी गैलेटी: जी, वो कहता है इस अच्छी धरोहर की रखवाली कर, क्या ये अद्भुत नही कि यीशु मसीह अपने जीवन के अंत में, इन्ही शब्दों का उपयोग करता है, यीशु अपने अनुयायियों से कहता है, इन बातों को स्मरण रखना और मैंने जो आज्ञाएँ दी हैं उसे मानो/ यही शब्द मानो, ये तो अलग शब्द है लेकिन वही विचार है, पौलुस तीमुथियुस से कहता है कि जो अच्छी धरोहर तुझे दी गई है उसकी रखवाली कर/ याद रखिए जो मैंने शुरू में कहा था, रक्षा करना तो इसे देना है/ और तीमुथियुस इस बात को अच्छे से जानता था, पौलुस कहता है यदि तुम चुक गए तो फिर से कह दूँ, इसलिए हे मेरे पुत्र, अध्याय 2 वचन 1, इसलिए हे मेरे पुत्र, तू उस अनुग्रह से जो मसीह यीशु में है, बलवन्त हो जा/ और जो बातें तूने बहुत गवाहों के सामने मुझ से सुनी है, उन्हे विश्वासी मनुष्यों को सौंप दे, जो औरों को भी सिखाने के योग्य हो/ तीमुथियुस पौलुस से जानता था, कि उसे केवल इन बातों को सीखना ही नही है, लेकिन उसे इसे दूसरों के जीवन में भी देना है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी और जल्दी से बताइए, पौलुस जब तीमुथियुस को अपने साथ मिशनरी ट्रिप पर लेकर गया तब भी उसने उसे सिखाया/

रॉबी गैलेटी: जी, जानते हैं, जॉन, मैं मेंटर हूँ जैसे बताया 9 लोगों पर/ और मैं उन्हें, अलग बातें सिखाना चाहता हूँ, हम सीखते हैं, डॉक्टरिन, थियोलोजी, कुछ महीने पहले हम प्रोविडेनशीएल प्रार्थना सिख रहे थे, इसका क्या संबंध कि परमेश्वर सब जानता है और सारी बातों पर उसका नियन्त्रण है, फिर भी वो विश्वासियों को प्रार्थना करने की आज्ञा देता है, और वो मुझ से सवाल पूछने लगे, यदि प्रभु सबकुछ जानता है, तो प्रार्थना क्यों करे? यदि प्रभु सब पर नियन्त्रण करता है तो प्रार्थना क्यों करे, तो मैं उन्हें बताने लगा, हाँ प्रभु सबकुछ जानता है, लेकिन उसने हमें प्रार्थना करने की आज्ञा दी है, मैंने उन्हें प्रार्थना करने के तरीके बताए, ऑफिस में उनके साथ प्रार्थना भी की/

फिर मुझे मौका मिला कि जेल में जाकर प्रचार करूं, मैं अपने तीन चेलों को साथ में लाया, जॉबट्रेनिंग कहना चाहे तो कह सकते हैं/ जैसे हम वहां गए और मैं प्रचार करने लगा, और संदेश के अंत में, मैंने उन्हें न्योता दिया कि कैदी सुसमाचार को प्रतिउत्तर दे, और अवश्य ही प्रभु के अनुग्रह से,बहुत से लोग सामने आए, उस पीली लाइन पर इस जेल में ही, और चैपलिन ने, खैर मैंने वहां जाने की योजना नही बनाई थी/ चैपलिन ने मुझे पकडकर कहा, हमें जाकर उन लोगों के साथ प्रार्थना करनी चाहिए, तो स्वाभाविक रूप में मैंने यही किया, मैं अपने लोगों की और मुडकर कहने लगा, हम वहां जाएगे, उन्होंने कहा मै? अच्छा है विश्वास करो, हम जाएगे/ और ये लोग प्रार्थना के बारे में कुछ हफ्तों से बातें कर रहे थे, उन कैदियों को मसीह को स्वीकार करने की प्रार्थना कर रहे थे, मैंने इसे 5 मिनट तक देखा, और मैंने एक भाई को देखा जिनका मैं मेंटर था, वो प्रभु के सामने रो रहे थे और प्रार्थना कर रहे थे/ मैंने बाई ओर एक और भाई को देखा, वो प्रार्थना में डूबे थे, प्रार्थना कर रहे थे कि वो मसीह को स्वीकार करे/ वो प्रभु के समाने रो रहे थे/ हम कार में बैठे और वो मुझे हाय 5 करके कहने लगे, पास्टर इस पर विश्वास नही होता है/ उन्होंने कहा आज हमने प्रार्थना के बारे में ज्यादा सिखा है, ऑन डी जॉब ट्रेनिंग में, ऑफिस से भी बेहतर सिखा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, अब हम ब्रेक लेगे और वापस आने पर, हम तीन महान सत्य के बारे में चर्चा करेगे, जो हर विश्वासी को जानना है और दूसरों को भी देना है, हमारे साथ बने रहीए, हम लौट आएगे/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम लौट आए हैं और रॉबी गैलेती से चर्चा कर रहे हैं, ये महान बाइबल टीचर हैं और हम महान आज्ञा पर चर्चा कर रहे हैं, हम इसे कैसे ले चलेगे, और बहुतसी बातें हैं जो हमें सीखना है, ठीक है, और वो क्या है रॉबी/

रॉबी गैलेटी: जी, अब तक हमने देखा जॉन, शिक्षक के रूप में पौलुस के जीवन में, कि उसने प्रभु यीशु मसीह से सिखा और उसी तरह जीते रहा/ वो जो जानता था उसके अनुसार जीने लगा/ और हमने देखा कि पौलुस तीमुथियुस के जीवन में निवेश करता है/ तीमुथियुस ने सिखा और वो अब जी रहा था, हमें अपने आप से ये सवाल पूछना है, परमेश्वर मुझ से क्या अपेक्षा करता है कि मैं उससे सीखूं/ चार्ल्स स्पर्जन ने ये कोट कहा, जो बाइबल फट रही है, वो खासकर उसकी है जो जीवित नही रहा/ तो हमें परमेश्वर के वचन में जाना है, जहाँ वचन हम में जाता है/ और मैंने इसे तीन अलग सिद्धान्तों में बांटा है/ इन तीन सिद्धान्तों से ही दूसरे सिद्धान्त आते हैं, मैं सोचता हूँ कि ये तीन महत्वपूर्ण सिद्धांत हैं, जो हर विश्वासी को जानना है/

और वो ये हैं, पहला है, धर्मी ठहराया जाना, धर्मी ठहराया जाना तो नैतिक रूप में घोषित करना है, जो परमेश्वर इस समय विश्वासी के जीवन पर घोषित करता है/ और हम इसे रोमियों अध्याय 3 वचन 28 में देखते हैं, चलिए मैं इसे पढ़ता हूँ/ इसलिए हम इस परिणाम पर पहुंचते हैं कि मनुष्य व्यवस्था के कामों के बिना विश्वास के द्वारा धर्मी ठहरता है/ ये तो नैतिक बात है, ये विचार है कि कोई कोर्ट रूम में आते हैं और हथोडा पटकते हैं, और केवल एक या दो निर्णय होते हैं/ दोषी या निर्दोष/ जब हम प्रभु यीशु मसीह के पास आते हैं/ व्यवस्था के कामों के बिना/ तो इसका अर्थ है कि हम उद्धार पाने के लिए कुछ नही कर सकते हैं/ हम बेताब हैं, हमें उद्धारक की जरूरत है/ हम अपने अपराध और पापों में मरे थे/ हमने परमेश्वर को नही चुना, पहले उसने हमें चुना है/ यीशु ने कहा तुम ने मुझे नही चुना मैंने तुम्हें चुना है/ तुम ने पहले मुझ से प्रेम नही किया मैंने किया है/ क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, याने जब हम अपने पापों से पश्चाताप करते हैं, और अपना विश्वास मसीह में रखते हैं, परमेश्वर हमें अपना देखता है और हम उसकी दृष्टी में धर्मी ठहराए जाते हैं/

अब दूसरी बात, केवल धर्मी ठहराया जाना नही, लेकिन शुद्धिकरण, शुद्धिकरण उद्धार के समय शुरू होता है, और इसका ये अर्थ होता है, विश्वासी मसीह के स्वरूप में बदलते जाता है, हम परमेश्वर के वचन को सुनने लगते हैं, और अपने जीवन में परमेश्वर के वचन के अनुसार जीते हैं, अब दो भाग हैं, दो शुद्धिकरण हैं/ सबसे पहले बढनेवाला शुद्धिकरण है/ ये तो विश्वासी के जीवन में क्रिया है, जहाँ वो निरंतर मसीह के स्वरूप में बदलते जाता है/ हम इसे इब्रानियों अध्याय 10 में देखते हैं/ इस वचन को देखिए/ क्योंकि उसने एक ही चढ़ावे के द्वारा उन्हें जो पवित्र किए जाते हैं, सर्वदा के लिए सिद्ध कर दिया है/ याने विचार तो ये है कि हम निरंतर मसीह के स्वरूप में बदलते जाए/ लेकिन साथ ही लेनेवाला शुद्धिकरण है/

जानते हैं जॉन हम हमेशा कहते हैं कि मसीह जैसे होने की क्रिया में से जाए/ लेकिन हम ये भूल जाते हैं कि परमेश्वर ने हमें जगत की उत्पत्ति के पहले से चुना कि हम पवित्र बने/ हम इसे इब्रानियों 10:10 से देखते हैं/ हम यीशु मसीह की देह के एक ही बार बलिदान चढाए जाने के द्वारा पवित्र किए गए हैं/ पवित्र बनाए गए हैं/

जानते हैं जॉन हम हमेशा कहते हैं कि मसीह जैसे होने की क्रिया में से जाए, याने ये क्रिया है कि हम मसीह के जैसे दिखते चले जाए/ और इसे मत भूलिए, इसमें महिमा पाना है/ और ये तो अंतिम समय समझना है, या भविष्य की बातों को, स्वर्ग को समझना, नरक को समझना, ये समझना कि एक दिन हमारे पास महिमामय शरीर होगा, हम ये नाश्मान शरीर छोड़ देगे, और हम अविनाशी शरीर पाएगे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, हमारा शुद्धिकरण तो मसीह के जैसे बढ़ता और बढ़ता जाता है, जब कि हम यहाँ इस पृथ्वी पर हैं, हम कभी ऐसी जगह नही पहुंचेगे, ठीक है, सत्य तो ये है कि कुछ लगो दुसरे लोगों से ज्यादा पवित्र हैं, ठीक है, क्योंकि हम सब बढ़ रहे हैं अपने जीवन के अलग अलग स्थर में, ये हमारे लिए बहुत सी बातें खोलता है, लेकिन जब हम स्वर्ग में जाएगे, सच तो ये है कि हम बढ़ते नही रहेगे, और महिमामय शरीर होगा, और सच है कि हम पाप नही करेगे, और परीक्षा नही होगी, आसूं पोछे जाएगे, और हम बीमार नही होगे, नाश नही होगे, और चोट नही लगेगी, याने ये सब चला जाएगा, ये महिमा पाना है,

धर्मी ठहरे याने धर्मी घोषित किए गए, बढनेवाला शुद्धिकरण, जानते हैं आपने एक वचन से ये कहा, एक बलिदान के द्वारा एक बार सदा के लिए इसे बनाया, जो सिद्ध बनाए गए हैं, या वो जो पवित्र बनाए गए हैं, ठीक है/ याने एक ही वचन में ये बात बताई है और किसी दिन हम पुरे सिद्ध हो जाएगे, मसीह ये करेगा, वो हमें महिमामय देह देगा/

रॉबी गैलेटी: जी, और हम अगले एपिसोड में चर्चा करेगे, मसीह के जीवन के बारे में, देखीए ये विश्वास से शुरू होता है, विश्वास इस क्रिया में हमें रखता है और परमेश्वर हमारे द्वारा काम करता है/ और परमेश्वर क्रिया को खत्म करेगा/ जैसे यीशु ने खा और पौलुस ने कहा, ये काम जो मैंने तुम में शुरू किया इसे मैं पूरा करूंगा, यीशु मसीह के दिन में/ यही सवाल है, हम इसे कैसे जीती हैं, मैं सोचता हूँ कि लोग यही पूछते हैं, इसे किस तरह जीए, अपने जीवन में, ये तो जो जानते हैं उसे करना है,देखीए बाइबल में ज्ञान तो सामर्थ नही है, बाइबल में ज्ञान तो सामर्थ है जब उसे सक्रिय किया जाता है, विश्वासी के नाते हम जानते हैं कि क्या करे/ लेकिन सवाल ये है हम जो जानते हैं क्या हम उसके अनुसार जीते हैं?

मुझे एक कहानी बताई गई थी/ हालही में कि कोई अपने बच्चे की परवरिश कर रहे थे, वो मुझे पिता होने के बारे में बता रहे थे, जानते हैं जॉन कि मेरा बेटा लगभग 2 साल का है, और वो हमें बहुत कुछ सिखाता है, और साथ ही धीरज भी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: वो बहुत ही प्यारा है/

रॉबी गैलेटी: जी, वो प्यारा है, और अद्भुत है/ वो हमें धीरज के बारे में सिखाता है, और वो भाई पिता होने के बारे में सिखा रहे थे, उन्होंने कहा रॉबी यही फर्क है, कि किसी को अनुशासित करे बलवे के आधार पर, और अनजान होने के कारण सिखाने में/ पैरेंटिंग के बारे में सोचिए, यदि बच्चा कुछ करता है, कुछ हरकत करता है, तो आप बच्चे के पास जाकर कहते हैं, तुम्हें पता नही कि क्या करे,और यदि बच्चा ये कहे कि हाँ मुझे पता नही कि क्या करे डैड/ आपने कहा नही, क्या करना है उसे पता नही था, क्योंकि यदि वो जानता था कि क्या करना है तो वो करता था, और जब कि उसने नही किया ये मुझे बताता है कि उसे पता नही था/ लेकिन डैड मुझे पता था, अब यहाँ पिता के रुप में आपके पास चुनाव है/ तो क्या मुझे बलवे के कारण अनुशासित करना है, या अनजान होने के कारण सिखाना है?

तो चर्च के लोगों के यही सवाल है, क्या हम प्रभु के पीछे चल रहे हैं, बलवे के कारण, या अनजान होने के कारण? क्योंकि यदि ये अनजान होना है तो एक बात है/ लेकिन यदि ये अनजान होना है, तो ये पूरी अलग बात है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और अनुशासन बताता है कि हम बलवा कर रहे थे/

रॉबी गैलेटी: जी, और बाईबल कहती है कि जिनसे प्रभु प्यार करता हैं उन्हें अनुशासित भी करता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: देखीए रॉबी आज यहाँ लोग हैं जिन्हें निर्णय लेना है, कि क्या वो बलवा करके परमेश्वर के वचन का इनकार करेगे, या उसके पीछे चलने लगेगे, और यहाँ आपके पास दो लोगों का उदाहरण है, जिन्होंने निर्णय लिया, जिसने उनका जीवन बदल दिया और उनके आस-पास के लोगों को बदल दिया, वो कौन थे?

रॉबी गैलेटी: जी, मैं आपको दो लोगों के बारे में बताना चाहता हूँ, सिगमंड फ्रायड और सी एस लुईस, सिगमंड फ्रायड कि परवरिश ऐसे परिवार में हुई थी, उनके पिता बहुत समर्पित यहूदी थे, इनका जन्म 1856 में हुआ था, जब वो छोटे थे तो कैथलिक नैनी उन्हें सम्भालती थी/ वो उन्हें चर्च में ले जाती थी, बचपन में वो प्रभु से प्यार करते थे/ लेकिन सिगमंड फ्रायड के जीवन में कुछ हुआ, उनके पिता को बैंक करपसी फाइल करनी पड़ी, तो चर्च में जाकर प्रभु के बारे में सिखने के बजाए, उन्हें जबरन संसार में जाकर परिवार के लिए पैसा कमाना पड़ा/ जब वो कॉलेज में जाते थे, 1870 में, तब उन्होंने डारविन के बारे में सुना,और वो डारविन के लेख पढने लगे/ और प्रभु के पीछे ऐसे ही चलनेवाले से बदलकर पूरी तरह से नास्तिक हो गए/ और उनकी ओर से एक कोट मिला और ये दिखाता है कि इसे लिखते वक्त वो कहाँ थे/ उन्होंने कहा कि आस्था पूरी तरह से छोडी जा सकती है, उसके सिद्धांत में उस समय की मुहर होती है जिस समय वो शुरू किया, इस मनुष्य जाती का बचपन अनजान होने के दिन होते हैं/

देखी फ्रायड विश्वास करते थे, कि मनुष्य अपना भविष्य बना सकते हैं, अपना ढांचा बना सकते हैं, और इसे करने के लिए आस्था पर आधारित नही रहना है/ खैर उन्होंने 1930 तक इसे नही किया/ उन्होंने आत्महत्या कर ली/ उन्होंने खुद अपने हाथ से मोरफिन का ज्यादा डोस इंजेक्ट किया/ और उन्होंने आत्महत्या की/

और दूसरी ओर सी एस लुईस नाम के व्यक्ति, जब वो छोटे थे तो कहिए प्रभु के लिए प्यार रखते थे, दस साल की उम्र में, उन्होंने अपनी माँ की चंगाई के लिए प्रार्थना भी की थी, उनकी माँ हॉस्पिटल में बीमार थी/ लेकिन वो प्रभु से दूर चले गए जब प्रभु ने उस प्रार्थना का जवाब नही दिया, और संजोग से 42 साल बाद,फ्रायड सी एस लुईस पर प्रभाव डालने लगे, वो उन के कुछ लेख पढने लगे, और स्कुल और कॉलेज में सायकोलॉजी पढने लगे/ लेकिन सी एस लुईस को कुछ हुआ, किसी ने उन्हें नए नियम की एक कॉपी दी, ग्रीक में बाइबल का भाग

दिया, वो इसे ग्रीक में पढने लगे/ और उन पर प्रभाव हुआ ऐसे लोगों से जैसे जे आर आर टोकिन और बारफील्ड से/ और वो प्रभु के पास आने लगे/

उन्होंने प्रभु के सामने विश्वास का अंगीकार किया, प्रभु ने अद्भुत रूप में उनका जीवन बदल दिया और फिर उसके बाद लुईस देश में 15 मिनट का ब्रॉडकास्ट करने थे, लोग इस ब्रॉडकास्ट को बहुत पसंद करते थे, वो क्या करते थे, वो विश्वास और आस्था के विषय को लेते थे/ और वो इसे लोगों को बताते थे, ये शुरू हुआ और ये उत्साहित करनेवाला और बहुत विख्यात हुआ/ उन्होंने इससे एक किताब लिखी जिसका नाम है मिअर क्रिश्चियनिटी/ बहुत से लोग लुईस को जानते हैं क्योंकि उन्होंने बहुतसी किताबें लिखी हैं, उन्होंने द फोर लव लिखी है, और लिखी द ग्रीफ ओबसरवड, और बहुत विख्यात हुई द क्रोनिकल्स ऑफ़ नारनिया/

इन दो कहानी में दिलचस्प बात तो ये है जॉन, एक आदमी ने सच में प्रभु के साथ शुरू किया था, वचन से और दूर चले गए/ और दुसरे आदमी प्रभु में साधारण विश्वास करते थे, और प्रभु से दूर चले गए, लेकिन जीवन के अंत में मसीह के पास वापस आए, दो मनुष्य, दो भूतकाल/ दो मंजिल, दो परिणाम, याने सवाल तो ये है, हम अंत में कहाँ पहुंचेगे?

जानते हैं मैं प्रोग्राम देखनेवालों को प्रोत्साहित करना चाहता हूँ, जो शायद एक बार प्रभु के पीछे चलते रहे, और अब प्रभु से दूर चले गए हैं, शायद उनका प्रभु के साथ संबंध था, और चर्च में बढ़े हैं, शायद मसीह की आज्ञा को जानते हुए बढ़े हैं, मैं उन्हें ये कहते हुए प्रोत्साहित करना चाहता हूँ, आज ही आप शुरू कर सकते हैं/ मैं इसे कैसे करू रॉबी? आप जो जानते हैं उसके साथ शुरू कीजिए, आप प्रभु की आज्ञाओं के साथ शुरू कीजिए, आप प्रभु के वचन से शुरू कीजिए, बहुत से लोग कहते काश मैं जान पाता कि प्रभु मुझे क्या करने के लिए कह रहा है/ जी आप ये जानते हैं, उसने ये हमने पहले ही दिया है, उसके वचन में, तो आज हम प्रोत्साहित हो सकते हैं, कि हम जान ले कि हम जो जानते है उससे शुरू कर सकते हैं/ और जो जानते हैं उसे कर सकते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, अलगे हफ्ते, हम इसे देखेगे, महान आज्ञा में, जब यीशु ने कहा कि आज्ञा माने और महान आज्ञा को जिए, और आप शिक्षा देते हैं और चेले बनाते हैं, सच में वो प्रतिज्ञा करता है, कि देखो मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ, इस पृथ्वी के अंत तक/ ठीक है, हम इस एक प्रतिज्ञा में बहुतसी प्रतिज्ञा हैं उसके बारे में चर्चा करेगे, अगले हफ्ते इस पर चर्चा करेगे, तो बने रहीए/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2017 ऋच्ड्ढक्ष्